

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.)

राज्य-उत्तराखण्ड वर्ष 2018-19 के अनुदान का माहवार (अप्रैल से जुलाई 2018) विवरण सूची

क्र. सं.	वेदाध्यापक इकाई का नाम	अप्रैल से जुलाई 2018 तक प्रत्येक गुरु शिष्य इकाई को जारी किए गए अनुदान राशि	मानदेय आदि लंबित हैं, इसके कारण	अनुदानित छात्र संख्या	वित्तपोषित छात्र संख्या	वित्तविहीन छात्र संख्या	परीक्षा शुल्क छात्र संख्या	कुल छात्र	ऐसे वेद छात्रों की संख्या, जिनके संयुक्त बैंक खाते अभिभावक (माता-पिता) के साथ प्राप्त हुए	अभिभावक संग संयुक्त बैंक खाता प्राप्त छात्रों को माह अप्रैल, 2018 से जारी स्वतः व्यय राशि	ऐसे वेद छात्रों जिनके संयुक्त बैंक खाते अभिभावक (माता-पिता) के साथ अभी तक प्राप्त नहीं हुए	टिप्पणी	कुल योग
1	श्री हरेन्द्र कुमार उपाध्याय	96000	-	4	6	10	0	16	6	24000	0		120000
2	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय	52000	-	2	2	0	0	2	2	4000	0		56000
3	श्री शिवकुमार मालवीय	0	पी एफ एम एस फार्म एवं छात्रों के संयुक्त खाता प्राप्त नहीं होने के कारण	0	5	0	0	5	0	0	5	5 छात्रों का खाता वेदाध्यापक के साथ प्राप्त	0
4	श्री दिलीप कुमार त्रिपाठी	64000	-	4	7	0	0	7	4	8000	3	3 छात्रों का खाता प्राप्त नहीं	72000
5	श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल	0	पी एफ एम एस फार्म प्राप्त नहीं होने के कारण	0	11	0	0	11	8	0	3	1 छात्र का सिंगल खाता प्राप्त एवं 1 छात्र का खाता प्राप्त नहीं एवं 1 छात्र का खाता किसी अन्य के साथ	0
	कुल योग	212000		10	31	10	0	41	20	36000	11		248000

नोट:- क्र.सं. 1 वेदाध्यापक श्री हरेन्द्र कुमार उपाध्याय के 02 छात्रों (तुलसीदास त्रिपाठी, कृष्णकान्त मिश्रा) के वर्ष 2016-17 की परीक्षा में अनुपस्थित साथ ही वर्ष 2017-18 वेद परीक्षा में उत्तीर्ण होने के कारण उक्त छात्रों को अप्रैल 2017 से जुलाई 2017 तक की छात्रवृत्ति 1000/-मासिक दर से 4 माह की रखरखाव छात्रवृत्ति राशि-8000/- तथा अगस्त 2017 से जुलाई 2018 प्रत्येक माह 1500/- की दर से 12 माह की रखरखाव छात्रवृत्ति राशि-36000/- दी गई है। साथ ही उक्त 02 छात्रों की माह अप्रैल 2017 से जुलाई 2017 तक की आस्थगित छात्रवृत्ति 1000/-मासिक दर से 4 माह की आस्थगित छात्रवृत्ति राशि-8000/-प्रतिष्ठान में जमा की जायेगी। अगस्त 2017 से जुलाई 2018 प्रत्येक माह 500/- की दर से 12 माह की छात्र स्वयं व्यय राशि-12000/- दी जा रही है।